

# Inhalt

|     |   |     |
|-----|---|-----|
| 1.  | Einleitung .....  | 7   |
| 1.1 | Antizipation als Grundthema .....                                 | 12  |
| 1.2 | Die Grundverfassung Kleistscher Helden .....                      | 19  |
| 1.3 | Antizipation als dramaturgisches Prinzip .....                    | 27  |
| 1.4 | Das stationäre Gegen-Drama .....                                  | 36  |
| 1.5 | Formel und Metapher .....   | 38  |
| 1.6 | Die Erzählungen Kleists .....                                     | 41  |
| 2.  | Frühe Trauerspiele .....  | 51  |
| 2.1 | <i>Die Familie Schroffenstein</i> .....                           | 53  |
| 2.2 | <i>Robert Guiskard</i> .....                                      | 81  |
| 3.  | Die Lustspiele .....  | 90  |
| 3.1 | <i>Der zerbrochne Krug</i> .....                                  | 93  |
| 3.2 | <i>Amphitryon</i> .....   | 115 |
| 4.  | Plus und Minus .....  | 147 |
| 4.1 | <i>Penthesilea</i> .....  | 155 |
| 4.2 | <i>Das Käthchen von Heilbronn</i> .....                           | 196 |
| 5.  | Staatsdramen .....  | 216 |
| 5.1 | <i>Die Hermannsschlacht</i> .....                                 | 220 |
| 5.2 | <i>Prinz Friedrich von Homburg</i> .....                          | 232 |
|     | Die Antizipation des Prinzen .....                                | 236 |
|     | Weitere Prämissen .....   | 239 |
|     | Dramaturgische Konsequenzen .....                                 | 245 |
|     | Rückzug des Kurfürsten .....                                      | 260 |
|     | [Das Schuldmotiv] .....   | 268 |
|     | [Spiel im Spiel] .....  | 286 |
|     | Der Schluß .....  | 293 |
|     | Anhang. Texte für den nicht fertiggestellten „Zweiten Teil“ ..... | 311 |
|     | 1. [Ohne Titel] .....   | 313 |
|     | 2. Mythos – antik und modern .....                                | 359 |
|     | Editorisches Nachwort .....                                       | 425 |